प्रतियोगिता निर्देशिका

नई पीढ़ी के लिए सफलता की नई राह

वर्ष 28वाँ | अंक 8 | मार्च, 2012

अनुक्रमणिका

इस अंक में आप पाएँगे...

2 सम्पादकीय

3 घटनाक्रम

6 समसामयिक महत्वपूर्ण परीक्षोपयोगी बिन्दु

7 करियर मार्गदर्शन

8 प्रतियोगिता परीक्षा प्रश्न बैंक

10 साक्षात्कार : मिलिए आई.ए.एस. टॉपर से

11 मध्यप्रदेश संविदा शिक्षक पात्रता परीक्षा श्रेणी-2 के लिए सामाजिक विज्ञान समूह, विज्ञान समूह, गणित समूह तथा भाषा समूह हेतु परीक्षोपयोगी मॉडल प्रश्नपत्र

41 सहायक ग्रेड 3, निम्न श्रेणी लिपिक एवं पंजीयन लिपिक भर्ती परीक्षा हेतु परीक्षोपयोगी मॉडल प्रश्न

47 मध्यप्रदेश जेल प्रहरी भर्ती परीक्षा/ न्यायालय सहायक ग्रेड 3 प्रारंभिक परीक्षा हेतु परीक्षोपयोगी मॉडल प्रश्न

52 पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा-2012 हेतु परीक्षोपयोगी अध्ययन सामग्री

54 छत्तीसगढ़ सूबेदार, पुलिस उपनिरीक्षक तथा प्लाटून कमांडर भर्ती परीक्षा हेतु परीक्षोपयोगी मॉडल प्रश्न

57 छत्तीसगढ़ राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा हेतु परीक्षोपयोगी मॉडल प्रश्न

60 मध्यप्रदेश राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा एप्टीट्यूट टेस्ट पेपर हेतु परीक्षोपयोगी मॉडल प्रश्न

64 रेलवे भर्ती बोर्ड केन्द्रीयकृत परीक्षा हेतु परीक्षोपयोगी अध्ययन सामग्री

68. बैंक प्रोबेशनरी ऑफिसर सम्मिलित लिखित परीक्षा -2011 का हल प्रश्नपत्र

❖ करियर मार्गदर्शन के लिए डॉ. जयंतीलाल भंडारी के मार्गदर्शन में तैयार निशुल्क हिन्दी करियर वेबसाइट www.careerdisha.org पर विजिट करें।

प्रतियोगिता निर्देशिका के विषय विशेषज्ञों के द्वारा नए पैटर्न के अनुरूप तैयार परीक्षोपयोगी नोट्स आज ही मँगाइए-

❑ मध्यप्रदेश राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा
- ❖ सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र नोट्स- मूल्य 450 रुपए
- ❖ सामान्य अभिरुचि (एप्टीट्यूट टेस्ट) प्रश्नपत्र नोट्स- मूल्य 500 रुपए

❑ छत्तीसगढ़ राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा
- ❖ सामान्य अध्ययन नोट्स मूल्य- 450 रुपए

❑ छत्तीसगढ़ पुलिस उपनिरीक्षक परीक्षा नोट्स- मूल्य 550 रुपए

कार्यालयीन समय में सुबह 10 से शाम 6 बजे तक व्यक्तिगत रूप से नोट्स प्राप्त कर सकते हैं अथवा नोट्स रजिस्टर्ड डाक से घर पर मँगाने के लिए नोट्स मूल्य के साथ 50 रुपए डाकखर्च जोड़कर मनीऑर्डर या बैंक ड्रॉफ्ट प्रतियोगिता निर्देशिका के नाम बनवाकर इस पते पर भेजें- प्रतियोगिता निर्देशिका, 111, गुमास्ता नगर, इंदौर।

क्या आप करियर को ज्योतिष और भाग्य के भरोसे छोड़ रहे हैं करियर की मुस्कराहट और जीवन की खुशियों के लिए ऐसा मत कीजिए।

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के विद्यार्थियों को उनकी रुचि, योग्यता एवं क्षमता के अनुरूप करियर की उजली दिशाएँ बताने हेतु प्रतियोगिता निर्देशिका के विशेष आग्रह पर विश्व विख्यात लिम्का बुक में प्रतिष्ठित, करियर मार्गदर्शन के लिए राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने के लिए प्रतिष्ठित, भारत सरकार के नेटरस के पूर्व शोध सलाहकार एवं म.प्र. शासन की स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना के पूर्व राज्य निदेशक ख्यात करियर विशेषज्ञ डॉ. जयंतीलाल भंडारी व्यक्तिगत करियर काउंसिलिंग तथा ग्रुप काउंसिलिंग के लिए उपलब्ध रहेंगे। डॉ. भंडारी से न्यूनतम परामर्श शुल्क पर करियर काउंसिलिंग हेतु अपाइंटमेंट के लिए प्रतियोगिता निर्देशिका, 111, गुमास्ता नगर, इंदौर के इन फोन नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है-

(0731) 2480090, 2482060

प्रकाशक एवं संपादक :श्रीमती मीना भंडारी, कार्यालय: 111, गुमास्ता नगर, इंदौर-452009 (म.प्र.) 2482060,2480090 मुद्रक: प्रिन्ट पेक प्रा.लि., इंदौर

प्रतियोगिता निर्देशिका में प्रस्तुत सामग्री पूर्ण सावधानी से तैयार की गई है। किसी मानवीय त्रुटी के लिए संपादक जवाबदेह नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

सम्पादकीय

प्रिय साथियों,

सफलता और अच्छे करियर में समय के सदुपयोग का बहुत ज्यादा महत्व है। समय अपनी गति से चल रहा है। समय के साथ कदम मिलाकर चलने में युवा जीवन की सार्थकता है। जब युवा ऐसा नहीं कर पाते तो सफलता से दूर हटते जाते हैं। हर श्वास के साथ जीवन की एक अमूल्य निधि यानी समय की एक इकाई कम होती जाती है। जीवन का अंतिम समय आने पर जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं तो मालूम होता है कि हमने कितनी बेदर्दी से समय गंवाया है, उसका सदुपयोग नहीं कर सके। समय जैसी मूल्यवान संपदा का भंडार होते हुए भी हम अच्छी तैयारी से दूर रह गए और सफलता नहीं पा सके। समय का सदुपयोग करने में समर्थ न होने पर समय हमें ही खर्च कर देता है।

सचमुच हम में से बहुत से लोग अपनी इस प्राकृतिक धरोहर– समय का समुचित उपयोग नहीं करते हैं। बचपन में इतना ज्ञान नहीं होता कि समय का मूल्य समझें। एक दिन यौवन आ खड़ा होता है। युवा अवस्था का समय बहुमूल्य वरदान के रूप में मिलता है। इस युवा काल में हम बहुत से काम कर सकते हैं पर इसे निर्दयता से खर्च कर देने पर असफलता मिलती है। तब हम चौंक पड़ते हैं, निराश हो जाते हैं और सिर पर हाथ रखकर चिंताओं के सागर में डूब जाते हैं। समय का किस प्रकार, किस प्रयोजन से उपभोग किया गया, इसी का लेखा-जोखा जीवन का मूल्यांकन प्रस्तुत करता है। जो समय का महत्व समझ सका और उसके सदुपयोग के लिए जागरूकता के साथ तत्पर हो गया, समझना चाहिए कि उसे जिंदगी मिल गई।

निश्चित रूप से जीवन की संपदा एक-एक क्षण के साथ समाप्त होती जाती है। आयु वृद्धि के साथ मरण का दिन निकट से निकट आता चला जाता है। ऐसी स्थिति में समय के रूप में हमारे पास जो दैवीय वरदान जैसी अमूल्य निधि थी और जिसके आधार पर कुछ भी खरीदा या पाया जा सकता था, वह किस प्रकार गलता, जलता, टूटता और मिटता चला जा रहा है, इसे देखने की न इच्छा होती और न फुरसत। समय ही उत्कर्ष है। समय के दुरुपयोग की भूल अपने भाग्य और भविष्य को ठुकराने की तरह है। समय कभी बूढ़ा नहीं होता। वह सदा युवा और नवीन बना रहता है। काल सदा एक समान रहता है। जो समय को नष्ट करता है, समय उसे नष्ट कर देता है। जो समय के महत्व को समझते हैं, वे कभी समय नष्ट नहीं करते हैं। बीता हुआ समय और मुँह से निकले हुए शब्द, दोनों ही लौटाए नहीं जा सकते हैं। समयरूपी धन सब के लिए समान है।

हर युवक को समय के बारे में यह ध्यान रखना चाहिए कि ईश्वर ने यह धन देने में किसी प्रकार का पक्षपात नहीं किया– निर्धन हो, धनवान हो, विद्वान हो, मूर्ख हो, किसी संप्रदाय का हो, सबके लिए समान है। समय सब को समान रूप से सुलभ है। समय को न तो घटाया जा सकता है और न ही बढ़ाया जा सकता है। धन घट सकता है पर समय नहीं। समय सबके लिए बराबर है। हमारी एक कमजोरी यह है कि हम प्रमाद के वशीभूत होकर आज का काम कल पर सरका देते हैं। प्रत्येक युवक जो लक्ष्य के अनुरूप सफलता चाहता है, वह यह हमेशा याद रखे कि समय का सदुपयोग करते हुए निश्चित कार्य को निश्चित समय में करना ही लाभकारी है।

मीना भंडारी

राष्ट्रीय घटनाक्रम

प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन

सात से नौ जनवरी 2012 तक जयपुर में आयोजित 10वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कहा कि लम्बे समय से प्रवासी भारतीय वैश्विक स्तर पर प्रभावपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, अब प्रवासियों से आधुनिक तथा चमकीले भारत के निर्माण में अधिक योगदान की अपेक्षा है। केंद्रीय वित्त मंत्री प्रणव मुखर्जी ने भी प्रवासी भारतीयों से देश की प्रगति में अपना योगदान देने का आग्रह करते हुए कहा कि आर्थिक उदारीकरण के बाद से देश ने बेहद तेजी से तरक्की की है और वैश्विक मंदी के दौर में भी वर्ष 2011-12 में भारत सात फीसदी की विकास दर हासिल कर लेगा। ऐसी आर्थिक मजबूती के कारण प्रवासियों का धन भारत में हमेशा सुरक्षित बना रहेगा। प्रवासी भारतीयों को गुजरात, राजस्थान, केरल, झारखंड, हरियाणा, बिहार आदि राज्यों के द्वारा सक्रिय सहयोग और निवेश के लिए आकर्षक सुविधाओं के निमंत्रण दिए गए। दसवें प्रवासी सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिनिधियों ने भी एकमत से भारत के विकास में अपनी सक्रिय और सार्थक सहभागिता के संकेत दिए। इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने प्रवासी भारतीयों के लिए कुछ सहूलियतों की घोषणा की, जो इस प्रकार हैं- ● विदेश में रहने वाले भारतीय श्रमिकों के लिए नई पेंशन एवं बीमा योजना शीघ्र लागू की जाएगी। ● प्रवासी भारतीयों की आव्रजन समस्याओं का समाधान करने के लिए ई माइग्रेट योजना पर काम शुरू।

देश के 42 प्रतिशत बच्चे कुपोषित

10 जनवरी को बच्चों में भूख तथा कुपोषण की समस्या पर सर्वे रिपोर्ट 'हंगामा' जारी की गई। इसमें देश के 42 प्रतिशत बच्चे कुपोषण के शिकार बताए गए। इस रिपोर्ट में बताया गया कि देश में सबसे ज्यादा कुपोषित बच्चे मध्यप्रदेश में हैं। मध्यप्रदेश के जिन बारह जिलों में कुपोषित बच्चों की संख्या बहुत ज्यादा है, वे हैं- बड़वानी, भिंड, छतरपुर, डिंडोरी, गुना, झाबुआ, पन्ना, शिवपुरी, टीकमगढ़, उमरिया, विदिशा तथा इंदौर। इस रिपोर्ट के अनुसार म.प्र. के 5 वर्ष से कम आयु के 6 प्रतिशत बच्चे अति कुपोषित हैं। मध्यप्रदेश के 17 फीसदी बच्चे अति कम वजन से भी ग्रसित हैं। इनका वजन ढाई किलो के सामान्य वजन से भी कम है।

भारत में प्रति व्यक्ति खाद्यान्न उपलब्धता में कमी

कृषि मंत्रालय के ताजा आँकड़ों के अनुसार भारत में विगत वर्षों में प्रति व्यक्ति खाद्यान्न उपलब्धता में कुछ कमी आई है। वर्ष 2006 में देश में प्रति व्यक्ति दैनिक खाद्यान्न उपलब्धता 445.3 ग्राम थी जो घटकर वर्ष 2010 में 438.6 ग्राम ही रह गई।

भारत पर विदेशी ऋण भार

वित्त मंत्रालय द्वारा हाल ही में जारी आँकड़ों के अनुसार सितंबर 2011 के अंत में भारत पर कुल विदेशी ऋण 326.6 अरब डॉलर था, जो मार्च 2011 के अंत में 306.4 अरब डॉलर था। कुल 326.6 अरब डॉलर के विदेशी ऋण में अल्पकालिक ऋण का भाग 21.9 प्रतिशत था, जबकि शेष 78.1 प्रतिशत ऋण दीर्घकालिक था।

'जन गण मन' के सौ वर्ष पूर्ण

भारत के राष्ट्रगान-जन गण मन के सौ वर्ष 27 दिसंबर, 2011 को पूरे हुए। रविन्द्रनाथ टैगोर द्वारा रचित इस गीत को सर्वप्रथम 27 दिसंबर, 1911 को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में गाया गया था। संविधान सभा ने बाद में 24 जनवरी, 1950 को इस गीत को राष्ट्रगान के रूप में तथा बंकिमचन्द्र चटर्जी द्वारा रचित 'वंदेमातरम्' को राष्ट्र गीत के रूप में औपचारिक रूप से स्वीकार किया था।

परमाणु ऊर्जा का संशोधित लक्ष्य

नई परमाणु परियोजनाओं में मंद वृद्धि के कारण भारत सरकार ने परमाणु ऊर्जा लक्ष्यों को संशोधित कर दिया है। वर्ष 2008 में वर्ष 2020 तक 20 हजार मेगावॉट तथा वर्ष 2032 तक 63 हजार मेगावॉट परमाणु बिजली स्थापित क्षमता का लक्ष्य रखा गया था। अब नया परमाणु ऊर्जा लक्ष्य वर्ष 2020-21 तक 14580 मेगावॉट तय किया गया है। वर्ष 2017 तक यह लक्ष्य 10080 मेगावॉट तय किया गया है।

भारत की रेटिंग बढ़ी

वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने अल्पावधि के विदेशी मुद्रा कर्ज के लिए भारत की साख को अपेक्षाकृत उच्च श्रेणी में रखने की 10 जनवरी को घोषणा की। रेटिंग को 'सटोरिया' से 'निवेश' की श्रेणी में रखा है। इस कदम के बाद भारतीय कंपनियों को विदेशी बाजार से अपेक्षाकृत बेहतर दरों में ऋण जुटाने में मदद मिलेगी। वित्त मंत्रालय ने कहा कि मूडीज ने भारत की लघु अवधि की विदेशी मुद्रा बैंक जमा सीमा को एनपी (नॉट प्राइम) से प्राइम (पी-3) कर दिया है। यह लघु अवधि में विदेशी ऋण लौटाने की क्षमता के बारे में बढ़े हुए भरोसे को दर्शाता है।

निगरानी पद्धति से होंगे गोआ में चुनाव

गोआ में 3 मार्च को होने वाले विधानसभा चुनाव में मतदान निगरानी प्रणाली (पोल मॉनिटरिंग सिस्टम) का उपयोग किया जाएगा। ऐसा करने वाला गोआ देश का पहला राज्य होगा। इस पद्धति में सभी विधानसभा क्षेत्रों में मतदान केन्द्रों पर वेब कैमरे लगाए जाएँगे जो मतदाताओं के फोटो खीचेंगे, जबकि सभी केन्द्रों में लगे कम्प्यूटर में मतदाताओं के फिंगर प्रिंट दर्ज किए जाएँगे।

भारतीय नौकरशाही एशिया में सबसे भ्रष्ट

हांगकांग की प्रख्यात कंसल्टिंग कंपनी पॉलीटिकल एंड इकोनॉमिक रिस्क कंसल्टेंसी लि.की 11 जनवरी को जारी रिपोर्ट में भारत की नौकरशाही को एशिया में सबसे भ्रष्ट नौकरशाही बताया गया है। इस रिपोर्ट में सिंगापुर की नौकरशाही को एशिया में सबसे कम भ्रष्ट बताया गया है।

49 प्रतिशत विदेशी निवेश होगा

भारत अपने विमानन क्षेत्र को विदेशी विमानन कंपनियों के लिए खोलने जा रहा है। नागरिक विमानन मंत्रालय कैबिनेट से सिफारिश करेगा कि विदेशी विमानन कंपनियों को भारतीय विमानन क्षेत्र में 49 प्रतिशत विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI) की अनुमति प्रदान कर दे।

सीमा प्रबंधन पर तंत्र बनाएँगे भारत-चीन

भारत और चीन सीमा प्रबंधन पर कार्य तंत्र बनाने पर राजी हो गए हैं। यह तंत्र सीमावर्ती इलाकों में शांति बनाए रखने के मामलों को देखेगा।

देश की पहली महिला टेक्निकल यूनिवर्सिटी

दिल्ली में देश की पहली महिला टेक्निकल यूनिवर्सिटी खुलने जा रही है। दिल्ली सरकार ने 16 जनवरी को गुरु गोविंद सिंह यूनिवर्सिटी के इंदिरा गाँधी प्रौद्योगिकी संस्थान को महिला टेक्निकल यूनिवर्सिटी का दर्जा देने के फैसले पर मुहर लगा दी है।

राष्ट्रीय आतंकवाद निरोधक केन्द्र को मंजूरी

12 जनवरी को केन्द्र सरकार ने राष्ट्रीय आतंकवाद निरोधक केन्द्र (NCTC) के गठन को मंजूरी प्रदान कर दी। यह केन्द्र देश में सभी तरह की आतंकवाद निरोधक गतिविधियों के लिए शीर्ष निकाय के रूप में कार्य करेगा।

सिंगल ब्रांड रिटेल में 100 प्रतिशत एफडीआई

भारत सरकार ने सिंगल ब्रांड रिटेल में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) को मंजूरी देते हुए 10 जनवरी को अधिसूचना जारी कर दी। गौरतलब है कि इससे न केवल शॉपिंग सुगम होगी, बल्कि रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे और विदेश से काफी निवेश भी आएगा।

पीएम का पंचशील फॉर्मूला

विज्ञान के क्षेत्र में चीन को मात देने के लिए प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने अगली पंचवर्षीय योजना के मद्देनजर पंचशील फॉमूला पेश किया है। जो पाँच मंत्र प्रधानमंत्री द्वारा सुझाए गए हैं, वे हैं-1. उद्योग क्षेत्र में शोध के लिए निवेश बढ़ाया जाएगा। 2. जीडीपी की दो फीसदी राशि शोध के लिए दी जाएगी। 3. विज्ञान के बुनियादी ढांचे का विस्तार किया जाएगा। 4. नेशनल नॉलेज नेटवर्क के जरिए विश्वविद्यालयों तथा वैज्ञानिक संस्थानों को जोड़कर शोध कार्यों को अंजाम दिया जाएगा। 5. संस्थानों को अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक संस्थानों से भी साझेदारी बढ़ाना होगी।

अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम

हबल से सौ गुना शक्तिशाली अंतरिक्ष टेलिस्कोप

लगभग 9 अरब डॉलर की लागत से बनने वाली दुनिया की सबसे शक्तिशाली अंतरिक्ष दूरबीन, 'जेम्स वेब स्पेस टेलिस्कोप' का वर्ष 2018 में प्रक्षेपण किया जाएगा। यह अंतरिक्ष टेलिस्कोप, हबल अंतरिक्ष दूरबीन से 100 गुना अधिक शक्तिशाली होगी। गौरतलब है कि अब तक हबल ने ब्रह्माण्ड के ऐसे-ऐसे रहस्यों का उद्घाटन किया है, जो कल्पना से परे थे। वहीं इस नए टेलिस्कोप से अन्य ग्रहों की यात्रा का मार्ग प्रशस्त होगा।

इंडोनेशिया ने की सीटीबीटी की पुष्टि

इंडोनेशिया की संसद ने व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि यानी सीटीबीटी की पुष्टि कर दी जिसके तहत उसने परमाणु हथियार परीक्षणों पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही इंडोनेशिया सीटीबीटी की पुष्टि करने वाला विश्व में 156 वाँ देश बन गया है। ध्यातव्य है कि यह संधि तब तक प्रभावी नहीं हो सकती जब तक अमेरिका, चीन, भारत, पाकिस्तान, इस्राइल, ईरान, उत्तर कोरिया और मिस्र इसकी अभिपुष्टि न कर दें। इसमें से चार देश भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इस्राइल ने परमाणु अप्रसार संधि पर भी हस्ताक्षर नहीं किए हैं।

क्योटो संधि से कनाडा अलग हुआ

उत्तर अमेरिकी राष्ट्र कनाडा ने जलवायु परिवर्तन से संबंधित क्योटो संधि से हटने की हाल ही में घोषणा की। 1997 से अस्तित्व में आई इस संधि से औपचारिक रूप से हटने वाला कनाडा पहला देश है। कनाडा का मानना है कि अमेरिका व चीन जैसे विश्व के दो बड़े

उत्सर्जक देशों के शामिल न रहने के कारण यह संधि वैश्विक स्तर पर कार्बन उत्सर्जन पर रोक लगाने में सफल नहीं है। गौरतलब है कि 1997 में जापान में क्योटो में स्वीकार की गई क्योटो संधि ग्लोबल वार्मिंग से निपटने वाली ऐसी एकमात्र वैश्विक संधि है जिसमें ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती की बाध्यकारी सीमाएँ तय की गई हैं।

भगवद्गीता पर प्रतिबंध की याचिका खारिज

हिन्दुओं के पवित्र ग्रंथ भगवद्गीता को चरमपंथी साहित्य बताते हुए इस पर प्रतिबंध आरोपित करने की एक याचिका रूस के तोमस्क शहर की एक अदालत में दायर की गई थी जिसे बाद में अदालत ने खारिज कर दिया।

वर्ष 2012 अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष

सामाजिक-आर्थिक विकास, विशेषत: निर्धनता निवारण, रोजगार सृजन व सामाजिक एकीकरण में सहकारिता के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करते हुए वर्ष 2012 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष संयुक्त राष्ट्र संघ ने घोषित किया है।

विश्व का सबसे ऊँचा पुल

मैक्सिको के राष्ट्रपति फेलिप काल्डरॉन ने 6 जनवरी को उत्तरी मैक्सिको की पहाड़ियों में बनाए गए विश्व के सबसे ऊँचे केबल पुल का उद्घाटन किया। बलुआर्ट नामक यह पुल 403 मीटर यानी 1322 फुट ऊँचा है।

मध्यप्रदेश घटनाक्रम

युवा आयोग का गठन

17 जनवरी को मध्यप्रदेश सरकार ने युवा आयोग के गठन को मंजूरी प्रदान कर दी। इस आयोग में अध्यक्ष के अलावा पाँच सदस्य और एक सचिव होंगे। आयोग का कार्यकाल दो वर्ष का होगा।

मध्यप्रदेश राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा की प्रणाली में बदलाव

मध्यप्रदेश सरकार की 17 जनवरी, 2012 को सम्पन्न हुई कैबिनेट की बैठक में राज्य प्रशासनिक सेवा परीक्षा प्रणाली में बदलाव का निर्णय लिया गया। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग अगली राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा बदले रूप में कराएगा। गौरतलब है कि सामान्य अध्ययन विषय पूर्ववत रहेगा लेकिन इसमें अब अनुसूचित जाति व जनजाति संबंधी प्रश्न भी विशेष रूप से शामिल होंगे। वैकल्पिक प्रश्नपत्र बंद कर उसकी जगह एप्टीट्यूट टेस्ट पेपर होगा। इसमें मल्टीपल च्वाइस के 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे तथा प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा। एप्टीट्यूट टेस्ट से भावी अधिकारियों की त्वरित निर्णय क्षमता, तर्क शक्ति, सामान्य गणित जैसे ज्ञान को परखा जाएगा। यूपीएससी इस व्यवस्था को बीते साल ही लागू कर चुका है। मध्यप्रदेश में नए पैटर्न पर जल्द ही मध्यप्रदेश राज्य सेवा परीक्षा का विज्ञापन जारी होगा। नए पैटर्न से यूपीएससी की तैयारी करने वाले प्रतियोगियों को बहुत लाभ होगा।

70 लाख ने किया सूर्य नमस्कार

12 जनवरी को विवेकानंद जयंती के अवसर पर छठवें वार्षिक सामूहिक सूर्य नमस्कार के जरिए सबसे बड़ी योग क्लास का गिनीज बुक का रिकॉर्ड मध्यप्रदेश ने तोड़ दिया। अधिकृत आँकड़ों के मुताबिक 70 लाख से ज्यादा लोगों ने 12 जनवरी को सामूहिक सूर्य नमस्कार किया। इनमें 40 लाख से ज्यादा स्कूली बच्चे शामिल थे।

मध्यप्रदेश में 400 जेल प्रहरियों की भर्ती

मध्यप्रदेश शासन ने हाल ही में लगभग 400 नए जेल प्रहरियों की भर्ती का रास्ता साफ कर दिया है। इनकी नियुक्ति व्यापमं द्वारा की जाएगी। प्रदेश के 12वीं पास उम्मीदवार जेल प्रहरी के पद के लिए आवेदन कर सकते हैं। 400 पदों के लिए व्यावसायिक परीक्षा मंडल, भोपाल द्वारा 15 जून, 2012 को परीक्षा आयोजित की जाएगी।

शिक्षा ऋण का ब्याज भरेगी मध्यप्रदेश सरकार

प्रदेश के जिन परिवारों की सालाना आय साढ़े चार लाख रुपए से कम है, उन्हें शिक्षा ऋण पर कोई ब्याज नहीं देना होगा। वह ब्याज सरकार देगी। 7 लाख सालाना आय वालों का आधा ब्याज सरकार वहन करेगी। मेडिकल, इंजीनियरिंग पढ़ रही निम्न व गरीब परिवारों की छात्राओं को हर वर्ष-पाँच हजार रुपए दिए जाएँगे यह घोषणाएँ मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 14 जनवरी को की।

जबलपुर में स्वदेशी बोफोर्स तोप बनकर तैयार

जबलपुर की गन कैरिज फैक्टरी (GCF) ने स्वदेशी बोफोर्स तोप के निर्माण में सफलता हासिल की है। जीसीएफ में 155 एमएम बोफोर्स की प्रोटोटाइप तोप बनकर तैयार है। प्रोटोटाइप तोप के परीक्षण में सफल रहने के बाद आयुध निर्माणी बोर्ड को 414 बोफोर्स तोप का ऑर्डर मिलेगा।